CODE-KVS(DR)/2025/KS

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, DELHI REGION

PRE BOARD 1 EXAMINATION (2025-26)

CLASS – XII **SUB- HINDI (CORE) (302)**

M.M. – 80 **TIME – 3 HRS**

सामान्य निर्देश-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड ख में पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं
- खंड ग में पाठ्यपुस्तक 'आरोह' और 'वितान' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासम्भव प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क

अपठित बोध (18)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए : (10)

मिट्टी का जो अर्थ पृथ्वी के लिए है, वही शिक्षकों का समाज के लिए है। जैसे मिट्टी पृथ्वी को बनाती है, वैसे ही, शिक्षक वह आधार है, जिससे मानव पीढ़ी - दर - पीढ़ी हर प्रकार से सहायता पाता है तथा ज्ञान अर्जित करता है । जैसे मिट्टी बीज को संरक्षण देती है, पौधे की जड़ों को भौतिक रूप से मदद करती है कि वे उपजे, बढ़ें, पूर्णतः विकसित होकर बीज

बनाएँ और जीवन चक्र पूरा करें, वैसे ही शिक्षक युवा मन को तैयार करते हैं, मार्गदर्शन करते हैं कि वे सफल हों और विकास का केंद्र बनें। जैसे मिट्टी में सही अनुपात में तत्त्व उपलब्ध होते हैं और जो पौधे उसमें उग रहे हैं, मिट्टी उन्हें पोषक तत्त्व उपलब्ध कराती है,वैसे ही शिक्षक अपने अंदर परंपराओं को संजोते हैं । शिक्षक विद्यार्थियों के आवेग को समेटते हैं और जो नौजवान विद्यार्थी शैतान होते हैं, उन्हें रास्ते पर लाते हैं । शिक्षक संस्कृति को सँभालते है और उसे बेहतर बनाते हैं | अंत में, जैसे मिट्टी मनुष्यों के साथ - साथ सभी जीवों को, जो पृथ्वी के ऊपर और अंदर हैं, आधार उपलब्ध कराती है वैसे ही शिक्षकों पर ही समाज की इमारत खड़ी होती है।

(क) शिक्षक और समाज किसके प्रतीक हैं: -
1

i. बीज और पौधे

ii. मिट्टी और धरती

iii. मिट्टी और पोषक तत्त्व

iv. धरती और पौधों के

(ख) “शिक्षक विद्यार्थियों के आवेग को समेटते हैं और जो नौजवान विद्यार्थी शैतान होते हैं, उन्हें रास्ते पर लाते हैं ।“ इस पंक्ति से हमें पता चलता है कि शिक्षकों को: -
1

i. सारा ज्ञान प्राप्त है ।

ii. समाज की इमारत खड़ी करनी है ।

iii. मानव पीढ़ी की सहायता करनी होती है ।

iv. बाल मनोविज्ञान की समझ होती है ।

(ग) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए -
1

कथन (I): शिक्षक युवा मन को पहचानते हैं।

कथन (II): शिक्षक मिट्टी की भाँति संरक्षक की भूमिका निभाते हैं ।

कथन (III): शिक्षक संस्कृति के संचार के वाहक होते हैं ।

कथन (IV): शिक्षक पृथ्वी जैसा भार ढोते हैं ।

गद्यांश के अनुसार कौन - सा से कथन सही हैं?

i. केवल कथन (I) और (II) सही हैं ।

ii. केवल कथन (II) सही है ।

iii. केवल कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(Iv) केवल कथन (III) और (IV) सही हैं ।

(घ) समाज की इमारत से लेखक का क्या अभिप्राय है?
1

(ङ) शिक्षक को समाज का आधार क्यो माना गया है?
2

(च) शिक्षक संरक्षक की भूमिका का निर्वहन कैसे करता है?
2

(छ) मिट्टी की पौधे के लिए क्या भूमिका है? शिक्षक से इसे कैसे जोड़ा गया है?
2

2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
(8)

सृजन की थकन भूल जा देवता!

अभी तो पड़ी है धरा अधबनी,

अभी तो पलक में नहीं खिल सकी

नवल कल्पना की मधुर चाँदनी

अभी अधखिली ज्योत्स्ना की कली

नई ज़िन्दगी की सुरभि में सनी-

अभी तो पड़ी है धरा अधबनी,

अधूरी धरा पर नहीं है कहीं

अभी स्वर्ग की नींव का भी पता!

सृजन की थकन भूल जा देवता

रुका तू गया रुक, जगत का सृजन

तिमिरमय नयन में डगर भूलकर

कहीं खो गई रोशनी की किरन

घने बादलों में कहीं सो गया

नई सृष्टि का सप्तरंगी सपन

रुका तू गया रुक, जगत का सृजन

अधूरे सृजन से निराशा भला

किसलिए; जब अधूरी स्वयं पूर्णता

सृजन की थकन भूल जा देवता!

प्रलय से निराशा तुझे हो गई

सिसकती हुई सांस की जालियों में

सबल प्राण की अर्चना खो गई

थके बाहुओ में अधूरी प्रलय

औ अधूरी सृजन योजना खो गई

प्रलय से निराशा तुझे हो गई

इसी ध्वंस में मूर्छिता हो कहीं पड़ी हो,

नई जिंदगी; क्या पता?

सृजन की थकान भूल जा देवता

(क) कवि देवता को सृजन की थकान भूलने को क्यों कहता है?
1

(i) क्योंकि देवता कभी थकते नहीं

(ii) क्योंकि अधूरा कार्य नहीं छोड़ना चाहिए

(iii) क्योंकि धरती का पूर्ण निर्माण होने में अभी समय है

(iv) क्योंकि धरती का निर्माण सही प्रकार से नहीं हो पाया है

(ख) कवि द्वारा 'अधूरी धरा' और 'निरंतर प्रयास' के संदेश का मर्म क्या है?
1

(i) असफलता से निराश होकर प्रयास छोड़ देना चाहिए

(ii) केवल सफल व्यक्ति ही समाज के लिए उपयोगी हैं

(iii) पूर्णता की खोज में निरंतर कर्म करते रहना ही जीवन का सार है

(iv) भगवान ही सब कुछ करता है, मनुष्य निष्क्रिय रहे

(ग) “रुका तू गया रुक, जगत का सृजन" पंक्ति किस भाव की ओर संकेत करती है?
1

(i) देवता की थकावट से सृष्टि का अंत होने वाला है

(ii) संसार में संघर्ष का आरंभ हो गया है।

(iii) सृजनकर्ता की गति ही संसार की गति है

(iv) यह सृजन की विफलता का प्रारंभ है

(घ) कवि अधूरे सृजन से निराश न होने की बात कहकर क्या संकेत देना चाहते हैं?
1

(ङ) कवि के अनुसार, प्रलय से कलाकार को निराश क्यों नही होना चाहिए?
2

(च) "अधूरी धरा पर नहीं है कहीं, अभी स्वर्ग की नींव का भी पता" पंक्ति से क्या अभिप्राय है? 2

खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न) (22)

3. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: -
6

(i) जीवन संघर्ष है, स्वप्न नहीं

(ii) अपने जीवन की मधुर स्मृतियों का वर्णन

(iii) पुस्तकालय ज्ञान का सागर

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए: (8)

(i) एंकर विजुअल क्या है? स्पष्ट करें। 2

(ii) रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए? 2

(iii) संपादकीय लेखन से आप क्या समझते हैं? 2

(iv) फीचर क्या है? 2

(v) बीट किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए। 2

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए: - (8)

(I) कहानी का नाटक में रूपांतरण करने के लिए क्या आवश्यक है? 4

(Ii) रेडियो नाटक में संवाद की क्या विशेषताएँ हैं? 4

(iii) इंटरनेट पत्रकारिता क्या है? स्पष्ट करें। 4

खंड - ग (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न) (40)

6. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प वाले उत्तर चुनकर लिखिए :
(5)

छोटा मेरा खेत चौकोना

कागज का एक पन्ना ,

कोई अंधड़ कहीं से आया

क्षण का बीज वहीं बोया गया।

कल्पना के रसायनों को पी

बीज गल गया निशेष ;

शब्द के अंकुर फूटे,

पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

झूमने लगे फल,

रस अलौकिक,

अमृत धाराएँ फूटतीं

रोपाई क्षण की,

कटाई अनंतता की

टूटते रहने से ज़रा भी नहीं कम होती।

रस का अक्षय पात्र सदा का

छोटा मेरा खेत चौकोना।

(क) कवि के अनुसार कागज़ का पन्ना किसका प्रतीक है? 1

i. बीज

ii. शब्द

iii. क्षण

iv. खेत

(ख) कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कॉलम 1	कॉलम 2
I. क्षण का बीज	(1) भावात्मक उभार
II. अंधड़	(2) असीमित रसानंदन
III. कटाई अनंतता की		(3) रचना विचार और अभिव्यक्ति

i. I-(2), II-(1), III-(3)

ii. I-(1), II-(3), III-(2)

iii. I-(1), II-(2), III-(3)

iv. I-(3), Ii-(1), Ii-(2

(ग) निम्नलिखित में से कविता का मर्म किसे कहा गया है?   1

(i) खेती की प्रक्रिया

(ii) कवि कर्म के चरण

(Iii) आंधी और बीज का संबंध

(iv) कागज और खेत की समानता

(घ) निम्नलिखित कथन और करण को ध्यान पूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए: 1

कथन: कविता की कटाई अनंत है।

कारण: कविता लिखे जाने के बाद पढ़ने पर सदा रस प्रदान करती है।

(I) कथन सही है, कारण गलत है।

(ii) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(iii) कथन तथा कारण दोनों सही है, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

(iv) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, कारण कथन की सही व्याख्या करताहै।

(ड) कवि के अनुसार उसका कागज का पन्ना- रस का अक्षय पात्र क्यों है? 1

(i) यह चिरकाल तक आनंद देता है

(Ii) यह कभी नष्ट नहीं होता

(iii इसमें अमृत है

(iv)) यह अलौकिक है

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : -
(6)

(i) आत्मपरिचय कविता में कवि एक ओर जग - जीवन का भार लिए घूमने की बात|

करता है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है? 3

(ii) ' सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया ' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने पतंग कविता में दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें। 3

(iii) कविता के संदर्भ में ' बिना मुरझाए महकने के माने क्या होते हैं? कविता के बहाने पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 3

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए: - (4)

(i) कविता- कैमरे में बंद अपाहिज में "हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे" - पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है? 2

(ii) उषा कविता के प्रस्तुत काव्यांश का भाव - सौंदर्य बताइए- " बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।“ 2

(iii) लक्ष्मण मूर्छा और राम का विलाप कविता में शोकग्रस्त वातावरण में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है? 2

9. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए: (5)

जाति - प्रथा के पोषक जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे ' दासता ' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि ' दासता ' केवल कानूनी पराधीनता को नहीं कहा जा सकता । ' दासता ' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है । यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है । उदाहरणार्थ, जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों की अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं ।

(i) लेखक के अनुसार जाति - प्रथा के समर्थक किस अधिकार को देने के लिए राजी नहीं होंगे? 1

(क) जीवन जीने का अधिकार

(ख) शारीरिक सुरक्षा

(ग) संपत्ति का अधिकार

(घ) व्यवसाय का चयन

(ii) दासता में कौन - सी अवधारणा समिल्लित नहीं है? 1

सही विकल्प का चयन कीजिए: -

(क) स्वाधीनता के साथ जीना

(ख) कानूनी पराधीनता का होना

(ग) इच्छा के विरुद्ध कार्य करना

(घ) दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना

(iii) मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का क्या तात्पर्य है? 1

(क) दैहिक स्वतंत्रता प्रदान करना

(ख) शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार

(ग) अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता

(घ) अपनी इच्छा से जाति के चयन का अधिकार

(iv) जीवन, शारीरिक - सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? 1

(क)) क्योंकि इन अधिकारों को देने के बाद भी दासता की प्रक्रिया बनी रहती है

(ख) क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी नहीं लगती है ।

(ग) क्योंकि जाति - प्रथा के पोषकों को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है

(घ) इसके पश्चात् समाज में दासता को कानूनी मान्यता दी जा सकती है

(v) जाति - प्रथा के पोषक से लेखक का क्या आशय है? 1

(कi) जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले

(ख) जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले

(ग) जातिगत भेदभाव के व्यवहार को तिलांजलि देने वाले

(घ) जाति को कानूनी मान्यता देने वाले

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए: - (6)

(i) जाति - प्रथा को श्रम - विभाजन का आधार क्यों नहीं माना जा सकता? पाठ से उदाहरण देकर समझाइए। 3

(ii) लेखक के अनुसार, बाजार का जादू मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर किस प्रकार प्रभाव डालता है? बाजार के जादू के प्रभाव से बचने का क्या उपाय है? 3

(iii) पहलवान की ढोलक पाठ में ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था? 3

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए - (4)

(i) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? 2

(ii) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई? 2

(iii) अवधूत किसे कहते हैं? शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों कहा गया हैं? 2

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए: (10)

(i) कहानी सिल्वर वैडिंग में यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं । ऐसा क्यों? 5

(ii) जूझ कहानी के लेखक के जीवन- संघर्ष के उन बिंदुओं पर प्रकाश डालिए, जो हमारे लिए प्रेरणादायक है? 5

(iii) "सिंधु सभ्यता में खेती का उन्नत रूप भी देखने को मिलता है।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अतीत में दबे पांव पाठ के आधार पर उल्लेख कीजिए। 5